अध्याय 7: मेरा बचपन

विषय-सूची — 10 प्रश्नावली · 23 प्रश्न

प्रश्नावली 7.1	बातचीत के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 7.2	पाठ से	4 प्रश्न
प्रश्नावली 7.3	समझ और अनुभव	4 प्रश्न
प्रश्नावली 7.4	मिलान कीजिए	1 प्रश्न
प्रश्नावली 7.5	खान-पान	2 प्रश्न
प्रश्नावली 7.6	आइए जानें	2 प्रश्न
प्रश्नावली 7.7	तमाशा	2 प्रश्न
प्रश्नावली 7.8	भाषा की बात	1 प्रश्न
प्रश्नावली 7.9	आपके खेल	2 प्रश्न
प्रश्नावली 7.10	पुस्तकालय से	1 प्रश्न

प्रश्नावली 7.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

लेखक को रामलीला की तैयारियों में कौन-कौन से काम सबसे अधिक उत्साहित करते होंगे?

उत्तर: लेखक को रामलीला में पात्रों का रूप-रंग सजाना देखना और छोटे-मोटे काम करना सबसे अधिक उत्साहित करता था। वह दोपहर से ही उस घर में जाकर बैठ जाता था और उत्साह से दौड़-दौड़कर हर काम में मदद करता था।

प्रश्न 2

आपको लेखक के बचपन की कौन-कौन सी बातें सबसे अच्छी लगीं? वे बातें आपको अच्छी क्यों लगीं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे लेखक का खेतों में नंगे पाँव घूमना, आम के पेड़ों पर चढ़ना और गुल्ली-डंडा खेलना बहुत अच्छा लगा। ये बातें इसलिए पसंद आईं क्योंकि इनमें सादगी और खुली ताज़गी है जो आज के खेलों में कम मिलती है।

प्रश्न 3

खेलते समय चोट न लगे, इसके लिए आप क्या-क्या कर सकते हैं?

उत्तर: खेलते समय खेल के नियमों का पालन करें, सुरक्षित जगह पर खेलें, एक-दूसरे को धक्का न दें, सही जूते पहनें और यदि संभव हो तो बड़ों की निगरानी में खेलें।

प्रश्न 4

लेखक के पिता और घर के अन्य सदस्य चौके में बैठे-बैठे क्या-क्या बातें करते होंगे?

उत्तर: लेखक के पिता और घरवाले शायद यह कहते होंगे कि यह लड़का सारा दिन खेल में ही लगा रहता है, न खाने की सुध है न नहाने की। वे उसकी पढ़ाई की चिंता भी करते होंगे और सोचते होंगे कि यह कब जिम्मेदारी समझेगा।

प्रश्नावली 7.2 — पाठ से

प्रश्न 1

लेखक के चचेरे भाई हलधर की आयु कितनी थी?

उत्तर: लेखक की आयु आठ वर्ष थी और हलधर उनसे दो साल बड़े थे, इसलिए हलधर की आयु दस वर्ष थी।

प्रश्न 2

लेखक ने अपने घरवालों के क्रोध का कारण क्या बताया है?

उत्तर: लेखक के घरवाले इस कारण क्रोधित थे कि वह सारा दिन गुल्ली-डंडा खेलने में लगा रहता था। उसे न नहाने की सुध थी, न खाने की। पिताजी चौके में बैठकर रोटियों पर क्रोध उतार रहे थे।

प्रश्न 3

लेखक के अनुसार, गुल्ली-डंडा और विलायती खेलों में क्या अंतर है?

उत्तर: लेखक के अनुसार गुल्ली-डंडा बिना पैसे के खेला जा सकता है — पेड़ की एक टहनी से गुल्ली और डंडा दोनों बन जाते हैं। विलायती खेलों का सामान महँगा होता है और उन्हें खेलने के लिए विशेष मैदान या कोर्ट की भी जरूरत पड़ती है।

प्रश्न 4

इस पाठ में लेखक ने अपने बचपन के किन-किन अनुभवों को याद किया है?

उत्तर: लेखक ने खेतों में नंगे पाँव घूमना, आम के पेड़ों पर चढ़ना, चचेरे भाई हलधर के साथ मौलवी साहब के यहाँ पढ़ने जाना, मटर-जौ का चबेना खाना, रामलीला की तैयारियों में भाग लेना और गुल्ली-डंडा खेलना — इन अनुभवों को याद किया है।

प्रश्नावली 7.3 — समझ और अनुभव

प्रश्न 1

लेखक के बचपन के कौन-कौन से काम आपने भी किए हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैंने भी पेड़ों पर चढ़ना, खेतों में खेलना और गुल्ली-डंडा जैसे देसी खेल खेले हैं। रामलीला देखना और उत्साह से दौड़-दौड़कर काम करना भी मैंने किया है।

प्रश्न 2

लेखक अपने बचपन में खेलने के लिए स्वयं गुल्ली बना लेते थे। आप कौन-कौन से खेल-खिलौने स्वयं बना लेते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं कागज़ से नाव और पंखा बनाता हूँ, पुराने कपड़ों से गेंद बनाता हूँ और पेड़ की टहनी से गुल्ली-डंडा। ये खिलौने बनाना और उनसे खेलना दोनों में मज़ा आता है।

प्रश्न 3

आप अपने घर या पास-पड़ोस की किन वस्तुओं को खेल-खिलौने की तरह उपयोग में लेते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं थापी को बल्ले की तरह, पुराने डिब्बों को गाड़ी की तरह और लकड़ी की छड़ी को घोड़े की तरह उपयोग करता हूँ। पुराने कपड़ों को मोड़कर गेंद भी बना लेता हूँ।

प्रश्न 4

लेखक बचपन में अनेक काम उत्साह से दौड़-दौड़कर किया करते थे। आप कौन-से काम बहुत उत्साह से करते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं चित्र बनाना, दौड़-कूद करना, दोस्तों के साथ खेलना और स्कूल के कार्यक्रमों में भाग लेना बड़े उत्साह से करता हूँ। नई चीजें सीखने में भी मुझे बहुत मज़ा आता है।

प्रश्नावली 7.4 — मिलान कीजिए

प्रश्न 1

नीचे दिए गए चित्रों का उनके उपयुक्त विवरण से मिलान कीजिए — कौड़ी, थापी, घूमना, चबेना।

उत्तर: कौड़ी — एक समुद्री कीड़े का खोल जिसे पुराने समय में मुद्रा की तरह उपयोग करते थे। थापी — काठ का चपटे और चौड़े सिरे का डंडा। घूमना — भ्रमण करना अथवा इधर-उधर चलना। चबेना — चबाकर खाने के लिए भुना हुआ अनाज।

प्रश्नावली 7.5 — खान-पान

प्रश्न 1

लेखक सवेरे-सवेरे मटर और जौ का चबेना खाते थे। 'चबेना' के बारे में दी गई जानकारी पढ़िए।

उत्तर: चबेना वह खाद्य-सामग्री है जो चबाकर खाई जाती है, जैसे भुने हुए चने, मटर, मकई, मुरमुरे आदि। घर का बना चबेना बाज़ारी नमकीन से अधिक स्वास्थ्यवर्धक होता है। यह पाठशाला-यात्रा जैसे कामों के लिए सुविधाजनक और पौष्टिक नाश्ता भी था।

प्रश्न 2

आप दिन भर क्या-क्या खाते-पीते हैं? एक सूची बनाइए।

उत्तर: नमूना उत्तर: सुबह — दूध और पराठा। दोपहर — दाल, चावल, सब्ज़ी और रोटी। शाम — फल या बिस्कुट। रात — रोटी और सब्ज़ी। बीच-बीच में पानी और कभी-कभी जूस।

प्रश्नावली 7.6 — आइए जानें

प्रश्न 1

एक दिन और एक रात में कुल मिलाकर कितने पहर होते हैं?

उत्तर: एक दिन में 4 पहर और एक रात में 4 पहर होते हैं। इस प्रकार एक पूरे दिन-रात में कुल 8 पहर होते हैं।

प्रश्न 2

नीचे दिन के चार पहर दर्शाए गए हैं। आप इन पहरों में क्या-क्या करते हैं, लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: प्रातः 6–9 बजे — उठना, दाँत साफ करना, नहाना, नाश्ता करना। 9–12 बजे — विद्यालय में पढ़ाई करना। 12–3 बजे — दोपहर का भोजन, थोड़ा आराम। 3–6 बजे — खेलना, गृहकार्य करना।

प्रश्नावली 7.7 — तमाशा

प्रश्न 1

इनमें से कौन-कौन से तमाशे आपने देखे हुए हैं? उन पर घेरा बनाइए — कठपुतली का खेल, नाटक, बाइस्कोप, करतब, रामलीला।

उत्तर: नमूना उत्तर: मैंने रामलीला और नाटक देखे हैं। कठपुतली का खेल और करतब भी मेले में देखे हैं। छात्र अपनी पसंद के अनुसार घेरा लगाएँ।

प्रश्न 2

आप भी अपनी कक्षा या विद्यालय में रामलीला का मंचन कीजिए।

उत्तर: रामलीला मंचन के लिए पहले रामायण की एक घटना चुनें, जैसे राम-सीता स्वयंवर या सेतु निर्माण। सभी छात्र मिलकर संवाद तैयार करें। विद्यालय की वर्दी में ही मंचन किया जा सकता है। शिक्षक और अभिभावकों की सहायता लें।

प्रश्नावली 7.8 — भाषा की बात

प्रश्न 1

पाठ में से कुछ विशेषण तथा संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए।

उत्तर: विशेषण — संज्ञा के उदाहरण: छोटा-मोटा — घर, महँगा — सामान, देसी — खेल, सरल — स्वभाव, कच्चा — घर, नंगे — पाँव।

प्रश्नावली 7.9 — आपके खेल

प्रश्न 1

ऐसे खेल जिनमें महँगे सामान की जरूरत नहीं — नीचे दिए गए चित्रों को सही नामों से मिलाइए।

उत्तर: नमूना उत्तर: गुल्ली-डंडा, कंचे, लट्टू, पिट्ठू, कबड्डी — ये सभी देसी खेल बिना महँगे सामान के खेले जाते हैं।

प्रश्न 2

उन आनंदमयी खेलों की एक सूची बनाइए, जो आप अपने दिव्यांग मित्रों के साथ खेल सकते हैं।

उत्तर: दिव्यांग मित्रों के साथ खेले जाने वाले खेल: लुका-छिपी (सुरक्षित स्थान पर), कहानी सुनाना, पजल खेल, बॉल पास करना (हल्की गेंद से), ताली का लय-खेल, चित्र पहचानो और 'मैं कौन हूँ' अनुमान-खेल।

प्रश्नावली 7.10 — पुस्तकालय से

प्रश्न 1

अपने पुस्तकालय में जाकर प्रेमचंद की लिखी कहानियाँ पढ़िए तथा कक्षा में उनके बारे में चर्चा कीजिए।

उत्तर: प्रेमचंद हिंदी के महान लेखक थे। उनकी प्रसिद्ध कहानियाँ हैं — 'ईदगाह', 'दो बैलों की कथा', 'पंच परमेश्वर', 'बड़े भाई साहब'। पुस्तकालय से इनमें से कोई एक कहानी पढ़ें और उसके पात्र, घटना और सीख के बारे में कक्षा में बताएँ।